पी.जी. डिप्लोमा ज्योतिषशास्त्र – 2023–24
अवधि – एक वर्ष
न्यूनतम योग्यता – स्नातक

नोटः– इस परीक्षा में चार प्रश्न–पत्र होंगे। प्रत्येक प्रश्न पत्र 100 अंक का होगा। प्रथम तीन प्रश्नपत्र लिखित होगें, प्रत्येक प्रश्न–पत्र 3 घण्टे के अवधि का होगा। **प्रश्न–पत्र का निर्माण हिन्दी व अग्रेजी भाषा में होगा,** चतुर्थ प्रश्नपत्र प्रायोगिक होगा।

प्रथम–प्रश्नपत्रम्

पूर्णांक : 100

DP – JY –SANS - 5011 ज्योतिषशास्त्र – परिचय

प्रथम इकाई

1. ज्योतिषशास्त्रस्य परिचयः।
2. ज्योतिषशास्त्रस्य प्रवर्तकाः।
3. पंचौंपरिचयः।
4. पंचास्य सामान्यज्ञानम्
5. निर्णयसागर, चण्डूपंचाग
6. भद्रायाः मुखपुच्छज्ञानम् एवं भद्रायाः स्थितिश्च।

द्वितीय इकाई

1. प्रतिपादादितिथिस्वामिनः।
2. नन्दादिसंज्ञा एवं सिद्धयोगाः।
3. रव्यादिवारेषु मृततिथिः एवं दग्धनक्षत्राणि।
4. अधमयोग एवं कार्यविशेषे निषिद्धतिथयः।
5. दग्धविषहुताशन यमघण्टयोगः।
6. चैत्रादिमासेषु शून्यतिथयः।
7. तिथिनक्षत्रसम्बन्धद्वारा निन्द्य–दिवसः।
8. चैत्रादिमासपरत्वेन शून्यनक्षत्राणि।
9. मासेषु शून्यराशयः।
10. विषमतिथौ दग्धलग्नम्।
11. दुष्टयोगानां परिहारः।

तृतीय इकाई

1. आवश्यके,शुभकृत्येषु पड्वन्धकाणलग्नराशिणां परिहारः।
2. तिथिनक्षत्रवारसंयोगन अशुभत्वविचारः।
3. दोषनाशक रवियोगः।
4. सर्वार्थसिद्धियोगः।

5. उत्पातमृत्युकारण एवं सिद्धियोगाः।
6. वर्ज्यपंचादोषः।
7. सुयोगात् कुयोगस्य परिहारः।
8. भद्रायाः निवासफलम्।
9. गुरूशुक्रास्तयोः उग्रमिश्रकार्याणि।
10. ध्रुव–चर–उग्रमिश्रसंज्ञा नक्षत्राणां परिचयः।
11. क्षिप्रलघु–मृदुतीक्ष्णदारूण एवं ऊर्ध्वाधोमुखतिर्यैनक्षत्राणां परिचयः।

चतुर्थ इकाई

1. अग्नि निवासः।
2. अभूक्तमूल प्रवाणम्।
3. अभूक्तमूल वैशिष्ट्यम्।
4. मूलाश्लेषाफलम्।
5. मूलनक्षत्रनिवासः
6. सन्तानोत्यत्तिकाले अशुभकालः।
7. नक्षत्राणां तारा संख्या।
8. जलाशयारामसुरप्रतिष्ठामुहूर्तः।
9. संक्रान्तितः क्षयमास एवं अधिकमासस्य निर्णयः।
10. ग्रहदोष निवारणार्थरत्नधारणम्।
11. सूर्यादिग्रहाणां भिन्न –भिन्न रत्नानि।
12. ग्रहदोष निवारणार्थम् औषधिस्नान एवं दानविधिः।
13. गुरूशुक्रयोंः बाल वृद्धत्वम्।

पंचम इकाई

1. चुडाकरणमुहूर्तः।
2. अक्षरारम्भमुहूर्तः।
3. विद्यारम्भमुहूर्तः।
4. उपनयनकालः।
5. उपनयनमुहूर्तः।
6. विवाहे विचारणीयविषयाः।
7. कन्यावरणमुहूर्तः।
8. वरस्य फलदान मुहूर्तः।
9. ग्रह मेलापकविचारः।
10. विवाहमुहूर्तः, मंगलीविचारं च।
11. वधुप्रवेशप्रकरणम्।
12. द्विरागमनप्रकरणम्।
13. अग्निहोत्रप्रकरणम्।
14. राज्यभिषेकप्रकरणम्।

15. यात्रामुहूर्तः।
16. आभूषणनिर्माण एवं धारणमुहूर्तः
17. योगिनी विचारः।
18. चन्द्र विचारः।
19. सर्वदिग्यात्राः नक्षत्राणि।
20. विजयादशमी मुहूर्तः।
21. यात्रायां प्रस्थानवस्तुः।
22. शुभाशुभ शकुनविचारः।

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

संदर्भग्रंथाः–

मुहूर्तचिन्तामणिः।
बालबोधज्योतिषसारसमुच्चयः।
अवकहडाचक्रम्।
शीघ्रबोधः।
शतपंचाशिका– लेखराम द्विवेदी

द्वितीय–प्रश्नपत्रम्

पूर्णांक : 100

DP – JY –SANS - 5012 ग्रहदशाविचारः

प्रथम इकाई

1. स्पष्टग्रहप्रयोजनम्।
2. चालनपरिचय।
3. इष्टकालसाधनम्।
4. इष्टकालिकग्रहसाधनम्।
5. भयातभभोगसाधनम्।
6. जन्माक्षरज्ञानम्।

द्वितीय इकाई

1. सूर्यादिग्रहस्पष्टीकरणम्।
2. चन्द्रसाधनम्।
3. अयनांशज्ञानम्।
4. चरखण्डानयनविधिः।
5. लङोदयमानतः स्वोदयमानसाधनम्।

तृतीय इकाई

1. लग्नानयनम्।
2. लग्नसाधने वैशिष्ट्यम्।
3. लग्नानयनस्य त्रिविधप्रकाराः।
4. दशमलग्नसाधने नतानयनम्।
5. दशमलग्नानयनम्।
7. ससंधिद्वादशाभावचंक्रपरिचयः।
8. चलितचक्रविचारः।

चतुर्थ इकाई

1. विंशोपकबलानयनम्।
2. होरा विचारः।
3. द्रेष्काणविचारः।
4. सप्तमांशविचारः।
5. नवांशविचारः।
7. द्वादशांशसाधनम्।
8. त्रिशांशविचारः।

पंचम इकाई

1. दशाविचारः।

2. दशासाधनेभुलभोग्यकालसाधनम्।
3. अन्तर्दशासाधनम्।
4. अष्टोत्तरीदशासाधनम्।
5. अष्टोत्तरीदशा अंर्तदशासाधनम्।
6. विंशोत्तरीदशासाधनम्
7. विशोत्तरीदशा–अंतर्दशा
8. प्रत्यंतर
9 सूक्ष्म प्राणदशा

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2. कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

संदर्भग्रंथा :–

1. भारतीयकुण्डलीविज्ञानम्।
2. भारतीयकुण्डलीदर्पणम्।
3. वृहद – पाराशर होराशास्त्र
4. भृगु संहिता

तृतीय प्रश्नपत्रम्

पूर्णांक : 100

DP – JY –SANS - 5013 भाव, योग तथा वास्तु परिचय

प्रथम इकाई

1. द्वादश भावानां परिचयः एवं द्वादश भावात् विचारणीयविषयाः।
2. ग्रहणां दृष्टिविचारः एवं ग्रहाणां स्वामिविचारः।
3. नैसर्गिकमित्रामित्रादिकमाह।
4. पंचधामेत्री विचारः।
5. शुभाशुभग्रहविचार एवं ग्रहाणां दीप्तादि अवस्था।
6. ग्रहणामुच्चनीचविचारः।
7. ग्रहणां कारकत्वविचारः।
8. ग्रहणां स्वरूपविचार
9. मूल त्रिकोणचतुष्पदसंज्ञायाः परिचयः।
10. दशाऽन्तदशाफलविचार।
11. विवाहदशासमयविचारः।

द्वितीय इकाई

1. प्रथमभावस्थ नवग्रहाणां फलम्।
2. द्वितीयभावस्थ नवग्रहाणां फलम्।
3. तृतीयभावस्थ नवग्रहाणां फलम्।
4. चतुर्थभावस्थ नवग्रहाणां फलम्।
5. पंचमभावस्थ नवग्रहाणां फलम्।
6. षष्ठभावस्थ नवग्रहाणां फलम्।
7. सप्तमभावस्थ नवग्रहाणां फलम्।
8. अष्टमभावस्थ नवग्रहाणां फलम्।
9. नवमभावस्थ नवग्रहाणां फलम्।
10. दशमभावस्थ नवग्रहाणां फलम्।
11 एकादशभावस्थ नवग्रहाणां फलम्।
12. द्वादशभावस्थ नवग्रहाणां फलम्।
13. ग्रहयुतिफल– द्विर्ग्रह,त्रिर्ग्रह,चतुर्ग्रह (विभिन्न भावों में उनके फल)

तृतीय इकाई

1. गजकेशरीयोगः।

2. पंचमहापुरुषयोगः।
3. पंचराजयोगः।
4. अमलकीर्तिपर्वनयोगश्र।
5. वाशिवेष्युभयचरिकयोगाः।
6. बुधादित्ययोगः।
7. अनफा–सुनफा–दुर्धरा–केमद्रुमयोगः।
8. कमलयोगः,दण्डयोगः–चक्रयोगश्च।
9. समुद्रयोगः,केदारयोगः,पाशयोगः,वीणायोगश्च।
10. भेरीयोगः, शारदयोगः, लक्ष्मीयोगः, चामरयोगः, शंखयोगः,कल्पद्रुमयोगश्च।
11. अैलीपरिचयः।

चतुर्थ इकाई

1. मणिबंधरेखापरिचयफलं च।
2. भाग्यरेखापरिचयफलं च।
3. पितृ या कर्मरेखामतान्तरादायुरेखापरिचयफलश्च।
4. मातृ या शीर्षरेखापरिचयफलश्च।
5. आयु या स्वान्तरेखापरिचयफलश्च।
6. पुण्प या रविरेखापरिचयफलश्च।
7. परिणय या ललना रेखा परिचयफलश्च।
8. भ्रातृभगिनीसूचकरेखापरिचय।
9. सन्तानसूचकरेखोच्चस्थानम्।
10. हस्ते मेषादिद्वादशराशिणां परिचयः।
11. हस्ते रत्नादिधारणविचार।

पंचम इकाई

1. वास्तुविज्ञान परिचय (सामान्य)
2. वास्तुशास्त्र के भेद
3. ग्रहवास्तु
4. कार्यक्षेत्रवास्तु
5. चिकित्सालयवास्तु
6. अट्टाालिकावास्तु (Multi-Storey)

प्रश्न–पत्र का निर्माण निम्नानुसार होगा –

खण्ड 'अ' – 20 अंक

1. इस खण्ड के सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 30 शब्द होगी।

खण्ड 'ब' – 35 अंक

1. प्रत्येक इकाई से दो प्रश्न पूछे जाएँगे।
2. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है, इस प्रकार कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

3. प्रश्नों के उत्तर की अधिकतम सीमा 250 शब्द होगी।

खण्ड 'स' – 45 अंक

1. प्रत्येक इकाई से एक प्रश्न पूछा जाएगा।
2- कुल पाँच प्रश्न पूछे जाएँगे जिनमें से परीक्षार्थी को तीन प्रश्नों का उत्तर देना है।
3. प्रश्न के उत्तर की अधिकतम सीमा 500 शब्द होगी।

संदर्भग्रंथाः –

1. भारतीय–ज्योतिष – नेमिचन्द्रशास्त्री।
2. चमत्कार चिंतामणिः।
3. सचित्रसामुद्रिकरहस्यम्।
4. वृहदपाराशर होराशास्त्र
5. भृगुसंहिता

चतुर्थ–प्रश्नपत्रम्

DP – JY –SANS – 5014 प्रायोगिक

1. प्रायोगिक – 100 अंक